

उत्तरांचल शासन
सूचना प्रौद्योगिकी अनुभाग
संख्या: 367/XXXIV/170-सू0प्रौ0/2006
देहरादून : दिनांक: 21 अगस्त, 2006

विज्ञप्ति/नीति

उत्तरांचल राज्य पूर्णतः अकीकृत करने, एक नेटवर्क स्थापित करने जहाँ सूचना की पहुंच एवं प्रवाह समाज के समस्त वर्गों के मध्य सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की प्रभावी आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से समर्थ कराने, राज्य के आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने, नागरिकों को उच्च गुणवत्ता का जीवन प्रदान करने तथा रोजगार के समुचित अवसर उपलब्ध कराने आदि हेतु संलग्न "सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नीति, 2006" को प्रख्यापित करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

संलग्नक ; यथोक्त।

(संजीव चोपड़ा)
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 367 (1)/XXXIV/170-सू0प्रौ0/2006, तद्दिनांकित।
प्रतिलिपि निम्नलिखित की सघूनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तरांचल।
2. समस्त निजी सचिव, मा0 मंत्रीगण, उत्तरांचल सरकार।
3. स्टाफ ऑफीसर-मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
4. स्टाफ ऑफीसर-अपर मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
5. अवस्थापना विकास आयुक्त, उत्तरांचल शासन।
6. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन।
7. मण्डलायुक्त, कुमाऊं/गढ़वाल क्षेत्र, उत्तरांचल।
8. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल।
9. समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष, उत्तरांचल।
10. निदेशक, आईटी0डी0ए0, उत्तरांचल।
11. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल/हिल्डान, उत्तरांचल।
12. सचिवालय के समस्त अनुशासक।
13. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून को उत्तरांचल की वेबसाइट में रखने हेतु।
14. उप निदेशक, राजकीय मुद्राप्रतय, रुड़की, उत्तरांचल को इस आशय से की संलग्न नीति को असाधारण गजट में प्रकाशनाथ।
15. मार्ट फाईल।

आज्ञा से,

6m
(संजीव चोपड़ा)
सचिव।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी विभाग
उत्तरांचल सरकार

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तरांचल



अनुक्रमणिका

I-	प्रस्तावना.....	3
II-	दृष्टि एवं लक्ष्य.....	3
III-	उद्देश्य.....	4
	(अ) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से सु-शासन.....	5
	(ब) सूचना प्रौद्योगिकी के अंगीकरण एवं ज्ञान-उद्योग को आकर्षित कर त्वरित औद्योगिक विकास.....	5
	(स) ज्ञान-समाज का निर्माण.....	8
IV-	समर्थक नीतियां.....	8
	(अ) प्रभावी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारभूत सुविधाओं का निर्माण.....	8
	(क) राष्ट्रीय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नीतियों का समर्थन.....	8
	(ख) प्रौद्योगिकी- संरचना एवं मानक.....	8
	(ग) आधारभूत-सुविधा प्रबन्धन.....	10
	(घ) राज्यव्यापी अंकीय भण्डार- आंकड़ा केन्द्र- सूचना जीवन-चक्र प्रबन्धन.....	10
	(ङ) नेटवर्क / संचार अवस्थापना.....	11
	(व) कार्य प्रक्रमण प्रवाह- शासकीय प्रक्रमणों का पुनः- अभियंत्रण.....	12
	(स) सरकारी सेवाओं का स्वरूप.....	13
	(द) चैनल (डॉचा) सम्बन्धी कार्य-नीति.....	15
	(य) मानव कार्य-कुशलता का विकास.....	16
	(र) न्यायिक डॉचा और तृतीय-पार्टी सेवा सम्बन्धी डॉचा.....	17
	(क) सुरक्षितता.....	18
V-	प्रतिस्पर्धात्मक नीतियां.....	19
VI-	स्वीकारात्मक नीतियां.....	20
VII-	उन्नाते नीतियां.....	21
VIII-	निष्पादक नीतियां.....	21
	(अ) सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार समिति.....	22
	सलग्नक 'अ': सूचना प्रौद्योगिकी.....	23



उत्तरांचल शासन की सूचना एवं संचार प्रौद्योगिक नीति, 2006 का लेखा-पत्र

I- प्रस्तावना

उत्तरांचल राज्य का गठन 09 नवम्बर 2000 को तत्कालीन उत्तर प्रदेश के उत्तरी भाग के पृथकीकरण से हुआ। उत्तरांचल राज्य हिमालय पर्वत श्रृंखला का पर्वतीय एवं तराई क्षेत्र है, जो 53,483 वर्ग कि०मी० में फैला है (जिसमें से लगभग 88 प्रतिशत पर्वतीय है) और जिस की जनसंख्या लगभग 85 लाख है। देवों की यह भूमि प्राकृतिक संसाधनों जैसे जल, वन, संपदा, नदियाँ, हिम-नदियाँ एवं पहाड़ी चोटियों के लिए प्रख्यात है।

1. राज्य के नागरिकों के जीवन की गणवत्ता सुधारने हेतु त्वरित सामाजिक एवं आर्थिक विकास, शासकीय निर्णयों में पारदर्शिता, समस्त उपयोगकर्ता-समूहों द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी को त्वरित गति से अपनाने हेतु उत्तरांचल शासन द्वारा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की पूर्ण शक्ति का प्रयोग प्रस्तावित है। उत्तरांचल शासन का यह प्रयास है कि एक आदर्श "ई-समाज" की रचना दक्ष, सेवा-केंद्रित, मूल्य-उपयोगी, सूचना नेटवर्क (जाल) एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील स्वरूप के साथ वर्ष-दर-वर्ष प्रगति करे।
2. इस दस्तावेज का उद्देश्य राज्य के सम्पूर्ण वास्तविक विकास हेतु सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी स्वरूप एवं प्रबन्धन हेतु एक ढांचा नीति प्रदान करना है। यह नीति दस्तावेज, उत्तरांचल शासन की नवीन औद्योगिक नीति 2003 एवं जो औद्योगिक विकास विभाग के उद्योग निदेशालय एवं उत्तरांचल लघु-उद्योग विकास विभाग द्वारा विनोचित की गयी है का एक विस्तारित दस्तावेज बनेगा।

II- दृष्टि एवं लक्ष्य

3. दृष्टि यह है कि उत्तरांचल राज्य पूर्णतः अंकीकृत हो- एक नेटवर्क समाज हो जहाँ सूचना की पहुँच एवं प्रवाह समाज के समस्त वर्गों के मध्य सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की प्रभावी आधारभूत सुविधाओं के माध्यम से समर्थ कराते हुए राज्य के

6m



आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना, जिसके फलस्वरूप नागरिकों को उच्च गुणवत्ता का जीवन प्रदान करना है।

4. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन प्रारम्भिक कार्यवाही का एक मुख्य परिणाम रोजगार उत्पन्न करना है। उत्तरांचल राज्य के उच्च साक्षरता दर (राष्ट्रीय औसत से ज्यादा) के परिपेक्ष्य में सरकार ने बेरोजगारी कम करने का लक्ष्य निधारित किया है। इस दिशा में सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाओं को उत्तरांचल में उधम में स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित किया जायेगा। उत्तरांचल में रोजगार उत्पन्न करने का फोकस अर्थ व्यवस्था के सेवा सेक्टर में रहेगा।
5. सूचना प्रौद्योगिकी के इन मध्यवर्तनों से शासन की योजना विभिन्न बटवारों जैसे की अंकीय भिन्नता, आर्थिक भिन्नता, साक्षरता भिन्नता एवं सामाजिक भिन्नताओं को कम करना भी है। ज्ञान द्वारा संतुलक का निर्वाहन करने और सूचना तथा संचार प्रौद्योगिकी के अपनाने से यह भिन्नता धीरे-धीरे समाप्त हो जायेगी।

III- उद्देश्य

- i. सूचना प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित किये जाने का उद्देश्य केवल शासन स्तर पर प्रबंधन एवं निर्णय-सहायता-तंत्र के रूप में ही नहीं बरन् शासन की प्रक्रिया एवं प्रणालियों को पुनः-मापित किया जाना भी होगा, जिससे की नागरिकों के प्रति एक पारदर्शी, संवेदनशील एवं क्रियात्मक सरकार का गठन सम्भव हो।
- ii. नागरिकों के भौतिक-जीवन में वांछित सुधार सूचना प्रौद्योगिकी के विभिन्न अवयवों को सरलता से उपलब्ध कराते हुए सुनिश्चित करना।
- iii. निजी क्षेत्र के प्रयासों को प्रोत्साहित करना जिससे की विश्व-स्तरीय सूचना प्रौद्योगिकी अवस्थापनाओं का विकास हो सके और नागरिकों, उद्योगों एवं शासन की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।
- iv. सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग से संबधित आवश्यक मानवशक्ति का विकास एवं विस्तारीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी को त्वरित गति से स्कूलों, कॉलेजों और अन्य

62



शिक्षा-संस्थानों तक ले जाना जिससे की युवाओं को सम्बन्धित निपुणता प्राप्त हो सकें और वे इस क्षेत्र में रोजगार पाने के लिए सक्षम होवें।

- v. सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी उद्योगों को प्रोत्साहित करना जिससे की सूचना प्रौद्योगिकी सकल घरेलू उत्पाद का वाहक बने। इसके लिए राज्य को एक अच्छे सूचना प्रौद्योगिकी-गंतव्य के रूप में विकसित करना, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के अवसर इस क्षेत्र में उत्पन्न हों और उनकी आय क्षमता में बढोत्तरी संभव हो सके, साथ ही साथ इस क्षेत्र में निर्यात एवं घरेलू वित्त क्षमता की उपस्थिति को तलाशना।

(अ) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से सु-शासन

6. इस तथ्य की पहचान करते हुए की सु-शासन मूलतः मानव क्रियाओं और प्रौद्योगिकी का मिश्रित प्रभाव है, उत्तरांचल सरकार इस ओर प्रत्यनरत रहेगी की "नवीनतम प्रौद्योगिकी" का परिनियोजन हो और इसका समर्थन इष्टतम प्रशासनिक क्रियाओं, नागरिकों और व्यापार का शासन से सरल अंतराफलक, नागरिकों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग हेतु पर्याप्त प्रवीणता के निर्माण से सुनिश्चित किया जायेगा। राज्य की ई-गवर्नेंस नीति का उपयोग नागरिकों को सशक्तिकरण प्रदान करने के औजार के रूप में किया जायेगा।
7. अतः सरकार का एक ध्येय है कि राज्य एवं केन्द्र के विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, सहयोग एवं सूचना का अनुकूलन हो। इससे नागरिकों, व्यापार एवं अन्य सरकारी विभागों को तत्पर-सेवा, आसान शासकीय-क्रिया एवं विभिन्न सरकारी विभागों को अन्तः सम्बन्धी सेवाओं के संग्रहण से प्रदान की जा सकेगी।

(ब) सूचना प्रौद्योगिकी के अंगीकरण एवं ज्ञान-उद्योग को आकर्षित कर त्वरित औद्योगिक विकास

राज्य का आर्थिक विकास औद्योगिक गतिविधियों में वृद्धि, मूल्य-वर्धित व्यापार में वृद्धि और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों से चलित है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद का बड़ा भाग वर्तमान में सेवा सेक्टर (खंड) से आता है और यह राज्य में सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था स्थापित करता है। राज्य की अर्थव्यवस्था के अन्य वाहक

कृषि, उद्यान, औषधिय/हर्बल सम्पदा, जल-विद्युत, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी एवं बायो प्रौद्योगिकी है।

8. शासन की यह नीति रहेगी कि राज्य में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में निजी पूँजी-निवेश हो। सरकार विश्व-स्तरीय आधारभूत सेवा में मैत्रिक प्रशासनिक-ढाँचा, प्रमुख उद्योगपतियों की नीति-निर्धारण ढाँचे में सहभागिता सुनिश्चित कर एवं वित्तीय व गैर-वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करते हुए एक समर्थक का किरदार अदा करेगी एवं उत्तरांचल को सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का आकर्षक गन्तव्य बनायेगी।

वित्तीय प्रोत्साहन:

9. वित्तीय प्रोत्साहन नवीन औद्योगिक नीति 2003 में इंगित है (सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग से सम्बन्धित खण्ड संलग्न 'अ' पर प्रस्तुत है।) तथा रु0 50 करोड़ से ज्यादा/ बड़ी परियोजनाओं हेतु विशेष प्रोत्साहन माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में गठित समिति में तय किये जायेंगे।
10. शासन विभिन्न हार्डवेयर, साफ्टवेयर एवं सूचना प्रौद्योगिकी समर्थ-सेवाओं को राज्य में उद्योग स्थापित करने हेतु प्रोत्साहित करेगी, सामान्यतः भी उत्तरांचल में व्यापार स्थापित करने और बहुमूल्य विविधताओं का अन्वेषण करने हेतु उद्योग को आकर्षित किया गया है।

गैर वित्तीय प्रोत्साहन:

11. सरकार राज्य में एक निवेशक मैत्रिक-पर्यावरण को विकसित करेगी और निम्न सुनिश्चित करेगी:
- 1) सूचना प्रौद्योगिकी उद्योगों को प्राथमिकता के आधार पर भूमि उपलब्ध कराना।
 - 2) सूचना प्रौद्योगिकी उद्योगों को नियमित रूप से एवं निरंतर विद्युत उपलब्ध कराना।
 - 3) स्वविद्युत उत्पाद को उत्साहित करना एवं इस हेतु विद्युत भार (duty) पर पूर्णरूपेण छूट।

6w



सू.प्र.वि.ए.



MINISTRY OF INDUSTRIES

- 4) राज्य के वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण उपलब्ध कराए जाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र को प्राथमिकता रहेगी।
- 5) विशेष प्रयासों के द्वारा उच्चकोटि की सामाजिक अवस्थापनायें यथा स्कूल, आवास, स्वास्थ्य, मनोरंजन इत्यादि सुविधाओं को सूचना प्रौद्योगिकी स्थलों पर विकसित करना।
- 6) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में एकल-पटल की स्थापना जिसके माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग को शासन के विभिन्न विभागों का अनुमोदन एवं अनापत्ति (Clearance) प्रदान कर एक समर्थक प्रशासन उपलब्ध कराना।

आधारभूत सुविधाओं का समर्थन:

12. राज्य का यह यत्न रहेगा की इन उच्च प्रौद्योगिकी उद्योगों को अपनी निम्न शक्तियों यथा— मनोहर स्थल, प्रतियोगी भूमि मूल्य, योग्य मानव संसाधन, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निपुण कार्यबल, अगसक्रिय प्रशासन, आधारभूत सुविधाओं का विकास जिससे वायु, रेल, सड़क एवं दूरसंचार संयोजकता का उत्तोलन कर आकर्षित किया जाये।
13. उत्तरांचल में सूचना प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग को आकर्षित करने के लिए राज्य का एक योजनाबद्ध पथ पर है तथा इस क्षेत्र के निवेश को प्रशासन की दक्षता सुधारने और नागरिक व शासन के मध्य एक सच्ची लोकतांत्रिक सामन्जस्य स्थापित करना है।
14. सरकार अपनी योजनाबद्ध रणनीति के अन्तर्गत उद्यमशील रूप से संभावित निवेशकों को चिन्हित करेगा एवं उनके संदर्भित व्यापार हेतु उत्तरांचल की उपयोगिता प्रस्तुत करेगा।
15. सरकार ज्ञान-उद्योग को उत्तरांचल में आकर्षित करने के प्रयास करेगी इस हेतु सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधा उपलब्ध करायेगी।
16. सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नवीन उद्योग स्थापित करने हेतु समस्त अनापत्ति (Clearance) शीघ्र प्राथमिकता से प्रदान कर दी जाये।

67



17. सरकार अग्रणी अन्तराष्ट्रीय सलाहाकार फर्मों एवं विश्व-स्तरीय निवेश प्रोत्साहन एजेंसियों से गठबंधन पर विचार करेगी, जिससे एक सूचना संचार, प्रौद्योगिकी का सुखावह पर्यावरण स्थापित हो सके।
18. सूचना प्रौद्योगिकी पर कार्यशालाओं/ विमर्शगोष्ठीयों का सरकार समर्थन करेगी। इन कार्यशालाओं से सूचना प्रौद्योगिकी उत्पादों को स्थापित करने से होने वाले लाभ जैसे की दक्षता में सुधार, उत्पादकता में वृद्धि, प्रतिस्पर्धात्मकता का विकास एवं विश्व स्तरीय छाप की अभिज्ञता बढ़ाना है।

(स) ज्ञान-समाज का निर्माण:

19. उत्तरांचल एक ज्ञान-समाज स्थापित करने के लिए प्रयास करेगा जो राज्य में सूचना के व्यापक उपयोग से परिलक्षित होगा।

IV. समर्थक नीतियां:

(अ) प्रभावी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारभूत सुविधाओं का निर्माण

(क) राष्ट्रीय सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी नीतियों का समर्थन:

20. भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभिन्न नवीन प्रयास यथा— राज्य-स्तरीय क्षेत्र नेटवर्क (SWAN), ब्राण्डबैण्ड नीति, सामान्य सेवा केन्द्र (Common Service Centre - CSCs), राज्य आंकड़ा केन्द्र (SDC), राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स योजना (NeGAP), इण्टरनेट प्रक्षेत्र नाम (.IN) के क्रियान्वयन हेतु जो नीतिसंगत ढाँचा से सम्बन्धित है का क्रियान्वयन राज्य में भारत-सरकार के दिशा-निर्देशों पर किया जायेगा। केन्द्र के समर्थन के अलावा जो अतिरिक्त आधारभूत सुविधाओं की आवश्यकता होगी वह राज्य सरकार सुनिश्चित करेगी।

(ख) प्रौद्योगिकी- संरचना एवं मानक

1- संरचना

21. ई-गवर्नेन्स की संरचना के ढाँचे के विकास में सेवा-सृजन एवं सेवा-वितरण करने वाले विभिन्न पक्षकार जैसे की सेवा-जिज्ञासु, सरकारी सेवा तथा अन्य

92

तृतीय-पक्षीय सेवा-प्रदाता यथा अभिप्रमाणन एवं भुगतान-गेटवे सेवायें, नेटवर्क सेवा-प्रदाता, आधारभूत सुविधा प्रबन्धन सेवाओं को देय मान्यता दी जायेंगी। इस से इन पक्षकारों के मध्य व्यवधान रहित अंतराफलक दक्ष एवं सुगम सेवाओं को सृजित एवं प्रदान किया जा सकेगा जो की प्रभावी सार्वजनिक निजी सहभागिता/प्रतिदर्श के माध्यम से हर समय (24 X 7) गुणवत्ता-पूर्ण सेवा सुनिश्चित करेगा।

2- मानक

22. राज्य ने केन्द्र द्वारा अंगीकृत किये जा रहे ढाँचे पर आधारित आंकड़ों के मानक तैयार किये हैं, जिनका शासन द्वारा वर्तमान की ई-गवर्नेन्स परियोजनाओं में पालन किया जा रहा है तथा भविष्य में सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा निर्गत ई-गवर्नेन्स मानक, जो की अर्न्त-प्रचालन, आंकड़ों, मेटा-आंकड़ों से सम्बन्धित होंगे, के अनुपालन हेतु सरकार आदेशित करेगी।
23. इसके अतिरिक्त सरकार विशेष सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी मानकों, जो की मान्यताप्राप्त अन्तराष्ट्रीय संस्थाओं जैसी की IEEE¹, IETF², W3C³, ISO⁴, CMM⁵ आदि द्वारा अनुमोदित है के अंगीकरण पर दृढ़ रह सकती है।
24. उत्तरांचल सरकार तकनीकी रूप से Neutral है किन्तु इसका एकीकरण (Integration) करने के लिए आवश्यक है कि कोई भी साफ्टवेयर पारदर्शी मानक (Open Standards) पर आधारित हो तथा उनके एकीकरण मानक (Integration Standards) परिभाषित (defined) हो। अतएव उत्तरांचल सरकार पारदर्शी मानक के आधार पर कार्य करेगी।

लेटफार्म चयन हेतु, उत्तरांचल सरकार के लिए, मुख्य मुद्दा कुल परिप्रेक्षित स्वामित्व व्यय (Total Long Term Cost of Ownership: TLCO) है।

¹ IEEE इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग संस्था

² IETF इन्टरनेट इंजीनियरिंग कार्य-दल

³ W3C वर्ड-वाइड-वेब कन्सोर्सन

⁴ ISO अन्तराष्ट्रीय मानक संगठन

⁵ CMM क्पेबिलिटी मैचुरिटी मॉडल



(ग) आधारभूत -सुविधा प्रबन्धन

सूचना संचार प्रौद्योगिकी की आधारभूत सुविधाओं के विभिन्न घटकों के स्थापित होने के बाद आधारभूत सुविधा प्रबन्धन के कार्य को बाह्य संस्था से कराया जाना एक आवश्यक अवस्था बन जाएगा। आधारभूत सुविधा प्रबन्धन तन्त्र सूचना एवं संचार प्रणाली की को आधारभूत सुविधाओं यथा आकड़ा केंद्र, नेटवर्क (स्वर एवं आकड़ा), प्रकल्प एवं सहायता प्रकल्प संचालीकरण का प्रबन्धन करेगा।

25. उत्तरांचल राज्य की सूचना प्राद्योगिकी आधारभूत सुविधाओं पर चलने वाले अतिआवृत्ति, गतिमानता और आकड़ा वाल्ट में स्टोर किये जा रहे अभिलेखों की व्यापक निगरानी एवं आवेदक बहानी प्रणाली स्थापित होगी जिससे की प्राकृतिक अथवा अप्रकृतिक आपदा की घटना में 99.90 प्रतिशत अप-टाईम सुनिश्चित होगा। आधारभूत सुविधा प्रबन्धन तन्त्र प्रारम्भ पर विभागा एवं सेवा अभिगमन प्रदाताओं को 24x7 तक अकेले सूचना की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा।

26. आधारभूत सुविधाओं के आकड़ा प्रकल्प प्रबन्धन एवं निगरानी जहां तक संभव होगा बाह्य संस्था से कराया जाएगा। उत्तरांचल राज्य के अंदरूनी एवं बाह्य स्वीकृति विधिवत किया जायेगा। उत्तरांचल राज्य के अंदरूनी एवं बाह्य स्वीकृति विधिवत किया जायेगा। उत्तरांचल राज्य के अंदरूनी एवं बाह्य स्वीकृति विधिवत किया जायेगा। उत्तरांचल राज्य के अंदरूनी एवं बाह्य स्वीकृति विधिवत किया जायेगा।

(घ) राज्यव्यापी अकीय भण्डार- आकड़ा केंद्र सूचना जीवन चक्र प्रबन्धन

27. राज्य वित्त केंद्र एवं राज्य अन्तः राज्य/ केंद्र के आकड़ा केंद्रों से अर्न्त प्रबन्धन भारत सरकार की दिश निर्देशों के अनुरूप होगा।
28. राज्य वित्त विभागों से प्राप्त होने वाले आकड़ों के प्रक्षेपित सचय के अनुरूप राज्य केंद्र को पूरा राज्य राज्यव्यापी अकीय भण्डार के रूप में संवर्धित किया जाएगा। यह भण्डार सरकारी आकड़ा को ग्रहण संग्रहित सूचक एवं सुरक्षित कर पुनर् वितरण करेगा। संवर्धित उत्तरांचल पहली सरकार होगी जो इस प्रकार के भविष्य में समन्वय मानक आधारित अकीय भण्डार को क्रियान्वित करेगी।



- 29 सूचना का समय के साथ मध्य सूचना कितनी जल्दी और किस लागत पर उपयोग्यता प्रश्न पर शपथ करागी तब तथा सूचना को कब तक मिताने से पहले रखे गए इस सब का समावेश सूचना जीवन चक्र प्रबन्धन (ILM) में किया जाएगा। जो नकल जो प्रणाली पर डाले जायेंगे उनको अभिगमन नियमों धारण करनेवाली और जनभावनी पर आधारित एक श्रेणी प्रदान की जायेगी।

(ड.) नेटवर्क / संचार अवस्थापना

- 30 नेटवर्क के बिना एक आरंभ आवश्यकता है जिस पर ई-गवर्नेन्स के समस्त प्रभाव के नीचे होंगे। राज्य स्तरीय क्षेत्रीय नेटवर्क (SWAN) के द्वारा इस क्षेत्र में अवस्थापना के लिए प्रयत्न किया जायगा। राज्य की भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जमीन-धुना नेटवर्क स्थापित करना होगा जो तीर-रफ्तार से देश के अनेक प्रमुख प्रमुख नेटवर्क से सम्बन्धित हो सकें। राज्य के क्षेत्रीय नेटवर्क को राष्ट्रीय स्तर पर सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए राज्य सरकार से इस पर सहमति एवं सहायता प्राप्त होगी। राज्य सरकार नेटवर्क के अन्तर्गत ई-गवर्नेन्स को सार्वजनिक नेटवर्क को प्रदान करने के लिए प्रयत्न करेगी और प्रत्येक राज्य को प्रदान किया जा सके और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से दामों को सामर्थ में रखा जा सके।

- 31 राज्य सरकार नेटवर्क के अन्तर्गत करणी जो उत्तरांचल में नेटवर्क की अवस्थापना के लिए, उत्तरांचल सरकार नेटवर्क की रीढ़ स्थापित करने हेतु प्रेरित निम्नलिखित को गंभीरता से अनापत्ति प्रदान करने के उद्देश्य से "रास्ते के अधिकार" नीति को प्रोत्साहित करती है।

- 32 कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट का प्रसार आवश्यक सुविधाओं के सृजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्य सरकार नेटवर्क के अन्तर्गत उत्तरांचल में अग्रसक्रिय कदम उठाये हैं। परियोजना, योजना-कार्य के अन्तर्गत राज्य ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको से करार कर सरकार नेटवर्क के अन्तर्गत हिदा को कम्प्यूटर क्रय हेतु कम व्याज/आसानी से

6m



प्रकृति देने वाले ऋण के रूप में लागू कराया है। इंटरनेट सेवा प्रदाता राज्य में क्रियाशील है।

33. प्रशासनिक आधुनिक अभिलेख प्रबंधन (eRM) निम्न का समर्थन करेगा

- प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख को आसानी और गति से पुनः प्राप्त करना,
- सार्वजनिक संगठनों के मध्य दक्ष सम्युक्त कार्य सूचना का आदान प्रदान एवं अन्तःप्रवाहन,
- निर्णय निर्माण प्रक्रिया सूचना का पूर्ण-कार्यवाही एवं निर्णयों के मूल्यांकन से सम्बन्धित जानकारी को सम्मिलित रूप से प्रस्तुत कर साक्ष्य आधारित नीति निर्धारण में सहयोग,
- प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख प्रणाली में आकड़ों के रक्षण सिद्धान्तों एवं प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख प्रणाली से सम्बन्धित अन्य नीति-विधानों का प्रबन्धन
- प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख प्रणाली के मध्य विश्वसनीय सूचनाओं का आदान प्रदान निष्कर्षण और सारांश के साथ ज्ञान-प्रबन्धन।

(स) कार्य प्रवर्धन प्रवाह शासकीय प्रक्रमणों का पुनः अभियन्त्रण

प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख सेवा प्रदान करने वाले तंत्र सरकार का प्रजा से अंतरागत के सरलीकरण का विवेचक तंत्र है जिससे नागरिक सरकार के प्रशासनिक प्रक्रियाओं को आसानी से प्राप्त कर रही है।

34. प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख प्रदान करने हेतु प्रक्रमण के स्वचलनीकरण प्रक्रियाओं को सरलीकरण की ओर आगे बढ़ा इसके लिए शासन की प्रक्रियाओं को आसानी से प्राप्त करने की दिशा में गम्भीर प्रयास वांछित होगा। प्रशासनिक इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख प्रदान करने में एक मुख्य चुनौती है जो निर्णय प्रक्रिया के स्वचलनीकरण को एक स्तर तक सुगमता प्रदान करता है।

6/10



- 35 राज्य के सामान्य एवं सुदूर क्षेत्रों की महज दूरी की वजह से शासकीय सेवाओं की उपलब्धता से अन्धाधिकांश प्राप्त है को ई गवर्नेन्स प्रदान करने के लिए विशेष फोकस रखा जायेगा।
- 36 पुन अभियन्त्रण शासकीय प्रक्रमण और नागरिकों की अपेक्षा अनुसार राज्य के सभी विभागों का कम्प्यूटरीकरण होगा।
- 37 शासन में जरूरी प्रणालीगत सुधार लायेगी जो पुन अभियन्त्रण मूल्य आधारित विभिन्न विभागों में पार अमूर्त सामान्य क्रियाशील तत्वों को शामिल करने में जो ई पारदर्शिता ई-गुणवत्ता ई रिटर्न ई अनुमोदन आदि। यह सब विभागों में समान रूप से लागू किया जाएगा / शासन क्रियाओं नमूने परिकल्प और धन व्यय पुन उपयोग को प्रोत्साहित करेगा,
- 38 शासन द्वारा विभिन्न विभागों के तार प्रदानकर्ताओं की राधा बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शासन प्रवर्धन की पुनोती को पहचानता है फोकस पर शासन प्रवर्धन को प्रोत्साहित किया जाये।

(स) सरकारी सेवाओं का स्वरूप:

- 39 शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को उपलब्ध कराया जायेगा
- 40 शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को प्रवर्धन सूचना प्रौद्योगिकी के आधार पर उपलब्ध कराया जायेगा जो शासकीय सेवाओं में दीया जा सकता है जो इस प्रकार हैं-
 - (1) सेवा (2) सेवा (3) लेन देन एवं (4) एकीकरण
- 41 प्रवर्धन सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग निम्न के लिए किया जायेगा-
 - शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को उपलब्ध कराया जायेगा
 - शासन द्वारा शासकीय सेवाओं को उपलब्ध कराया जायेगा

62



- सरकार की योजना बजट व्यय व निष्पादन आख्या का विवरण ऑन-लाईन उपलब्ध कराना।
- नागरिकों के लिए लोककारी पर्यावरण सम्बन्धी, नागरिक व राज्य आदि से सम्बन्धित महत्वपूर्ण न्यायिक निर्णयों की जानकारी ऑन-लाईन उपलब्ध कराना।

परमाणु द्वारा उपलब्ध कराया जा रही विविध प्रकार की सेवाओं की जटिल जानकारी प्राप्त करने का यह प्रवेश-बिन्दु है।

42. जन-संघर्ष अन्तःक्रिया संस्थाओं से नागरिकों का अगला उच्च स्तर है जिसमें नागरिक स्वयं-सहायता समूह संगठित कर सकता है। अधिकांश विभाग सामान्य अंतर्गत व मध्यम से उच्च स्तर अधिकारी कर्मचारी से सवाद करने की सुविधा प्रदान करने हैं। नागरिकों को सहायता प्रदान करने व निरंतरता की ऑन-लाईन जानकारी प्राप्त करना एक उदाहरण है।
43. नागरिकों को सेवाओं के माध्यम से दिन-दैनिकी की आन-लाईन सुविधा उपलब्ध कराना, नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए एक उदाहरण है।
44. नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए अलग-अलग सेवाओं को आन-लाईन एकीकरण करके नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए एक उदाहरण है। उद्योगों के लिए एकल पटल अनापत्ति व्यवस्था, इसका सूचक उदाहरण है।
45. नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए अलग-अलग स्तर पर प्रयुक्त अच्छी तकनीक का प्रयोग व नागरिकों को सहायता प्रदान करने के लिए उद्योगों की उपयोगिता सुगम करे जिससे दूरस्थ क्षेत्रों व अनापत्ति व्यवस्था में नागरिकों से सेवा का अभिगमन कर सकें।
46. यह उदाहरण है कि इन सेवाओं का प्रयोग जनसामान्य के सशक्तिकरण के लिए हो सके। उदाहरण के लिए इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में उपलब्ध करायी जाये।

61



(द) चैनल (डोंचा) सम्बन्धी कार्य-नीति:

47. उत्तरांचल सरकार का निश्चित मत है कि ई गवर्नेन्स माध्यम का एकमात्र ध्येय, नागरिकों के हर समय हर स्थान पर सेवाये उपलब्ध कराना है। यह व्यवस्था सरकार के कामकाज पर निशर्त रूप से निर्भर न होकर नागरिकों की इच्छा व सुविधा पर निर्भर हो। सरकार का प्रयत्न होगा कि भौगोलिक विषमता के कारण प्रौद्योगिकी के प्रयत्न न आने वाली कठिनाइयों को दूर किया जाय।
48. देश के अनेक गाँवों के उपभोक्ताओं और प्रौद्योगिकी के बीच इस प्रकार अंतराफलक का निर्माण किया जायेगा जो सामान्य का सुविधाजनक महसूस हो। इस हेतु गाँवों के केंद्रों के यन्त्रों के कारण यथा कंप्यूटर टेलीफोन टीवी, मोबाईल, इंटरनेट आदि का प्रयोग के योग्य से आधारभूत संरचना तैयार की जायेगी।
49. ई गवर्नेन्स के माध्यम से विभिन्न सरथाओं और सरकारी संगठनों के बीच अंतराफलक का निर्माण करके उन अनिवार्य उपकरण (इंटरनेट/ब्राउज़र, मोबाईल, कंप्यूटर, आदि) उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।
50. नागरिकों को सरकारी 'सेवा' से सम्बन्धित जानकारी आसानी से उपलब्ध हो इस हेतु ई गवर्नेन्स के माध्यम से सामान्य सेवा केंद्रों के अनुरूप प्रत्येक गाँव में 'सामुदायिक सेवा केंद्र' (Community Service Centre) स्थापित करने का प्रस्ताव है। ई गवर्नेन्स के माध्यम से विभिन्न विभाग व संस्थाओं से सम्बन्धित सूचनाएँ प्राप्त करने के सामुदायिक स्थल होंगे।
51. ई गवर्नेन्स के माध्यम से अनेक भाषा के प्रयोग व ई साक्षरता कार्यक्रम को मानकीकृत करने में सहयोग प्रदान किया जायेगा।
52. ई गवर्नेन्स के माध्यम से ई गवर्नेन्स में इस प्रकार की प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जायेगा जो कि सरकारी रूप से अपंग व्यक्तियों के लिए अंतराफलक आसान हो।

bm



(य) मानव कार्य-कुशलता का विकास

53 सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सम्भावित कार्य कुशलता विकसित करने के इस प्रकार प्रयास करेंगी जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो सके प्रशिक्षण कार्यक्रमों की क्षमता वृद्धि विशेषकर युवाओं सरकारी कर्मचारियों के माध्यम से उद्योग कर्मियों ग्रामीण समुदाय जिसमें महिलायें सम्मिलित हैं को सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके।

54 समीक्षा अधिनियम के अन्तर्गत उत्तरांचल सरकार का ध्येय सभी को प्रशिक्षण प्रदान करना है इस हेतु उत्तरांचल सरकार ने "आरोही" परियोजना को अन्तर्गत सरकारी व सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक, माध्यमिक विद्यालयों में कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गयी है। अन्नतोगत्वा चरणबद्ध तरीके से सभी विद्यालयों में आरोही परियोजना को सम्पन्न किया जायेगा। भविष्य में इसे और सुदृढ़ किया जायेगा।

55 सूचना प्रौद्योगिकी सहायता प्राप्त करने वाली कर्मियों और विश्वविद्यालय परिसरों में कम्प्यूटर प्रशिक्षण के माध्यम से रोजगार प्रदान करने हेतु अग्रणी शिक्षण प्रदाताओं से उनके माध्यम से प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही यह प्रयास "शिखर" परियोजना के अन्तर्गत किया गया है। शिखर परियोजना को अधिक प्रसारित किया जायेगा ताकि हमारे विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर सकें और रोजगार प्राप्त कर सकें तथा ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था (Knowledge Economy) को प्रोत्साहित कर सकें।

56 सूचना प्रौद्योगिकी के अधीन क्षमता वृद्धि का कार्य भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के दिशा निर्देशावली व राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स योजना के अनुसार किया जायेगा। इसने विदेशी संस्थाओं व आन्तरिक संस्थानों के मध्य कार्यक्रम प्रवर्धन

6m



व्यापार क्रिया पुनर्अभियोजन प्रवन्धन परिवर्तन व वास्तुशिल्प- अभिकल्पना आदि सम्मिलित है।

(२) न्यायिक ढाँचा और तृतीय-पार्टी सेवा सम्बन्धी ढाँचा

57. समर्थक न्यायिक ढाँचे का लक्ष्य निम्न होगा—

- सार्वजनिक नीति के मूल लक्ष्यों का संरक्षण यथा गोपनीयता, बचाव धारण क्षमता तथा सूचना तक सार्वजनिक पहुँच।
- सार्वजनिक प्रक्रिया एवं सेवाएँ जो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दी जा सकती हैं, से सम्बन्धित सार्वजनिक सुधार प्रदान करना प्राधिकार देना एवं बन्दोबस्त करना।
- सेवाएँ जो सार्वजनिक क्षेत्र में दी जायें और जो संरक्षित किये जायें उनके सम्बन्ध में सार्वजनिक निगरानी एवं स्वायत्तता के अधिकार निर्धारित करना।
- सार्वजनिक सेवाओं की आवश्यकता के अनुसार एक दूसरे विभागों के मध्य सहभाजन सुनिश्चित करना।
- सार्वजनिक सेवाओं की प्रशासकीय व्यवहार हेतु अधिकार क्षेत्रों एवं कर्तव्यों का निर्धारण।
- सार्वजनिक सेवाओं को सुनिश्चित करना जिससे कि न्यायिक आवश्यकताओं को बढ़ावा मिले और वह लागू की जा सकें।
- सार्वजनिक सेवाओं की सेवाओं से सम्बन्धित शुल्क के सम्बन्ध में आधार स्थापित करना।
- सार्वजनिक सुनिश्चितता हेतु किया जाना है उनके लिए धारण काल तथा संग्रहण-माध्यम का चयन।
- सार्वजनिक सुनिश्चितता हेतु तथा किसी एक तरह का माध्यम जिससे सेवा प्रदान की जाती है (परम्परागत अथवा इलेक्ट्रॉनिक) का पक्ष लेना।
- अभियोग की सम्भावनाओं एवं लागत को कम करना।



- प्रभावकारी विवाद निस्तारण तन्त्र उपलब्ध कराना जिसकी सेवा इच्छुक व्यक्ति द्वारा आह्वान किया जा सके।
- निजी उपक्रमों एवं शासन के मध्य तथा विभिन्न निजी उपक्रमों के मध्य भ्रमण भयाओं की सक्रियता एवं अनुरक्षण हेतु वांछित सविदात्मक शर्तें, सेवा सन्बन्धी अनुबन्ध आदि उपलब्ध कराना।
- एक न्यायिक ढांचे का गठन किया जायेगा जो सूचना प्रौद्योगिकी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करायेगा।

(क) सुरक्षित।

58. निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देकर भुगतान वाहन-पंजीकरण इण्टरनेट भुगतान, निम्नलिखित राजन कर्त पेंशन वाहन चालक-लाइसेंस, स्वास्थ्य विवरण, आदि आमतौर पर वास्तविकता के उपयोग को शासन प्रोत्साहित करेगा।
59. निम्नलिखित प्रमाण पत्रों को प्रोत्साहित करेगा तथा वर्तमान में विद्यमान प्रमाण पत्रों को तथा सेवाय उपलब्ध कराने वाली सरथाओं को इंगित करेगा कि इनके दाम आम जनमान्य की पहुंच में रहे। सरकार का प्रयास होगा कि निम्नलिखित अवस्थापना (PKI) का स्थापित किया जा सके, जिससे निम्नलिखित जानकारी सुरक्षितता व्यक्तिगत अभिप्रमाणिकरण एवं सुनिश्चितता होगी। विभिन्न नीतियों प्रक्रियाओं सवेर प्लेटफार्म, निम्नलिखित जानकारी निरक्षण बिन्दुओं का निर्धारण जो सार्वजनिक कुंजी या प्रमाण (PKI) हेतु आवश्यक होगा के उपरान्त सरकार आवश्यक विश्वास पैदा करने में सक्षम हो सकेगी। सार्वजनिक कुंजी अवस्थापना (PKI) का तन्त्र एक ऐसी प्रक्रिया है जो प्रयोग किया जा सकेगा जो मात्र उपयोगकर्ता को पता होगी। प्रमाणिकरण (बहु अर्थवाक्य एकल प्रमाणिकरण प्राधिकारी) तथा अभिप्रमाणिकरण को प्रमाणिकरण समय बिन्दु पर सम्बाधित किया जायेगा। परिशिष्टक विधान जो निम्नलिखित जानकारी को भारत सरकार द्वारा लागू सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के अनुरूप तैयार कर स्थापित किया जायेगा।



- 60 सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली ऐसी सेवाये जिनके लिए परिचय प्रबन्धन तन्त्र की आवश्यकता हो के लिए स्मार्ट कार्ड अवस्थापना स्थापित की जायेगी। यह स्मार्ट कार्ड अवस्थापना (PKI) के साथ एकीकृत की जायेगी एवं भारत सरकार की अध्यापन के अनुसार नागरिकों के बहु उपयोग के लिए उपलब्ध हो
- 61 उत्तरदायी सरकार ने पूर्व में ही अपने को शून्य-सॉफ्टवेयर-नकल राज्य घोषित कर अपनी आशय स्पष्ट कर दिया है।
- 62 शाखाय सृजनाओं की सुरक्षा हेतु सरकार यथा सम्भव सुरक्षित सरचना को लागू करके अन्तर्गत फायरवॉल दरबल रोक तन्त्र प्रवेश नियंत्रण व्यवसायिक निष्पक्ष तथा निष्पक्षता प्राप्त उपाय इत्यादि होगी।

१. प्रतिस्पर्धात्मक नीतियाँ

- 63 प्रतिस्पर्धात्मक नीतियाँ तैयार की जायेंगी जो निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता को सुनिश्चित करते हुए प्रतिस्पर्धात्मक रियलिंग बढ़ा करती है। सरकार का उद्देश्य है कि निजी क्षेत्र की तकनीक अथवा विज्ञान व्यवस्था से बच बच सके और स्वतन्त्र रहे इसलिए निजी क्षेत्र को एक साथ कार्य करने हेतु प्रेरित किया जायेगा ताकि निजी क्षेत्र की योग्य प्रदा की जा सकें ऐसा करने पर नई तकनीक के प्रयोग के लिए आवश्यक रास्ता बना रहेगा नागरिकों को सेवायें प्रदान करने में निजी क्षेत्र की प्रतिभागिता को गतिशीलता प्रदान होगी।
- 64 सरकार है कि निजी क्षेत्र के समाधानों यथा नेटवर्क मेजबान केंद्रों राजस्व प्रदान करना सम्बन्धी प्रलेभू एवं अनुबन्धों की उपलब्धता इत्यादि का अधिक से अधिक प्रयोग सुनिश्चित हो सके। इस प्रकार ऐसे नीतिगत ढाँचों को बल दिया जायेगा जो तकनीकी उदासीन विनिर्देशों को तैयार करने में प्रेरक होगी और निजी क्षेत्र तकनीकियों को विभिन्न समाधान तकनीकी - उदासीन विनिर्देशों के अनुसार तैयार करने हेतु प्रोत्साहित किया जा सकेगा, लुप्तप्राय होने वाली तकनीक से हानि राज सम्भावित नुकसान हेतु ऐसी नीति तैयार की जा सकेगी जिससे कि इस



प्रकार की तकनीकी का विस्तार न हो सके एवं राज्य में ऐसे उत्पादक-सघो से भ्रष्टाचार हो जा सकेगा जो प्रतिस्पर्धात्मक कारकों को शनै-शनै, समाप्त कर सकते हैं।

6. आसानी से उठा सेंटर मजबूत सेवाओं अवस्थापना प्रबन्धन इत्यादि हेतु विभिन्न प्रकार के पोषणकर्ताओं का प्रोत्साहित किया जायेगा जिससे कि विभिन्न प्रकार की सेवाएँ इन सेवा-पोषणकर्ताओं से प्राप्त हो सकें।

66. सरकार के विभाग मध्यवर्ती सहयोगी संस्थानों के साथ मिलकर खुली सरकार की नीति का अन्वेषण करेंगे और जहाँ सम्भव होगा वे उन्नत उपभोक्ता सेवाओं को प्रोत्साहित करेंगे और धन की कीमत को घुक्ता करने हेतु उचित मार्ग को अपनायेंगे।

67. सरकार सहभागी निधायक खुली सरकार की सम्भावनाओं की तलाश करेंगे न कि केवल शक्तियों के मध्य प्रतिस्पर्धा को समाप्त करेगी, जो नवीनता, उन्नत सेवाओं से आरंभ और धन की कीमत को समायोजित करती है, विभिन्न सेवाओं के विकास में सरकार द्वारा भाईसरा प्राप्त होगी उनकी सरकारी सेवाओं तक पहुँच होगी।

68. निम्नलिखित हेतु भ्रष्टाचार संस्था का चयन तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण जो कि भ्रष्टाचार निवारण के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा से होगा।

VI- स्वीकारात्मक नीतियाँ

69. स्वीकारात्मक नीतियों को रणनीतिक मध्यवर्तन के प्रारम्भ से ही सुधारने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी इस प्रक्रिया में वांछित परिवर्तन प्रबन्धन का ढाँचा व साँचा रहता है। स्वीकारात्मक रणनीतिक मध्यवर्तन में व्यक्तिविशेष समूह, संगठन एवं संगठन के विकास पर ध्यान रहता है जो सरकार एवं समुदाय के विभिन्न अवयवों को परिभाषित करते हैं।

70. सरकार का प्रयत्न रहेगा कि प्रत्येक परिवर्तन रणनीति को सफल बनाने हेतु पाँच मुख्य अवयवों - दृष्टि निपुणता प्रेरणा ससाधन और क्रिया योजना - पर ध्यान केन्द्रित किया जाय।



71. किसी भी नवीन प्रयास को स्वीकार्य होने की स्थिति का अंकन करने हेतु समय-समय पर सर्वे किये जायेंगे। इस प्रक्रिया से सावधानी हेतु बिन्दु उभरेंगे जो रणनीति एवं क्रियान्वयन में किये जाने वाले आवश्यक सुधार हेतु ध्यानाकर्षण करेंगे।
72. शासन अपने कर्मचारियों को हर सम्भव प्रशिक्षण उपलब्ध करायेगी जिससे वह सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की आधारभूत सुविधाओं का प्रभावी रूप से उपयोग कर सकें। इससे उनकी दक्षता, पारदर्शिता एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी।
73. शासन, प्रत्यक्ष रूप से या गैर सरकारी संस्थाओं के समर्थन से विभिन्न सेवा प्रदाताओं जैसे कियोस्क संचालक, शिक्षक, महिलायें, युवा वर्ग, वरिष्ठ नागरिक, विकलांग के लिये (आधारभूत सुविधाओं) के उपयोग हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम रचित है एवं क्रियान्वित करेगा।
74. शासन सुनिश्चित करेगा की सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के अग्रगमन ओरर उसके परिणाम स्वरूप शासन की व्यवस्था क्रम के स्वचलनीकरण से कर्मचारी में शेषता नहीं आयेगी।

VII- उन्नति नीतियां

75. उन्नति नीति से स्वीकृति रणनीति में वृद्धि आयेगी। व्यापक लोक-प्रचार के माध्यम से एवं ऑनलाईन लेन-देन को विशेष प्रलोभन से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग को शासन वस्तुतः प्रोत्साहित करेगा।
76. नवीन सेवाओं से होने वाली बचत और छोर प्रयोक्ता को होने वाला लाभ कैसे दिया जाये इस हेतु शासन निरीक्षण करेगा।

VIII- निष्पादक नीतियाँ

77. ई-गवर्नेन्स परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिये शासन परियोजना प्रबन्धन इकाई की स्थापना करेगा जो, स्वतंत्र सॉफ्टवेयर विकासक/ विक्रेता/ प्रणाली समाकलक/ पृष्ठ छोर के विभाग के साथ मिल कर नोडल एजेंसी (आईटीडीओएओ) के मार्गदर्शन में कार्य करेगी।



78. दस्ती अग्रगमन से स्वचलित कम्प्यूटरीकृत अग्रगमन पर स्थानान्तरण के लिये विभाग संतोषजनक परीक्षण के बाद एक निर्धारित दिनांक से कम्प्यूटरीकृत अग्रगमन पर कार्य आरम्भ कर दिया जाये। दस्ती और स्वचलित अग्रगमन साथ-साथ एक पूर्व परीभाषित समय सीमा में ही प्रयोग में रहेंगे।
79. प्रत्येक विभाग अपने पूर्व अभिलेख के अंकीकरण को निर्धारित करेगा। इसके साथ प्रावस्था का निर्धारण प्रत्येक विभाग करेगा इन सभी आंकड़ों के अंकीकरण की दशा में विभाग अपनी वरियता निर्धारित करेगा, इसके साथ आंकड़ों के अंकीकरण की हर दशा में विभाग एक अधिकारी निर्दिष्ट करेगा जो कि बाह्य/ आन्तरिक स्रोत से प्राप्त आंकड़ों की पुष्टि करेगा।
80. ई-गवर्नेन्स परियोजनाओं के आरम्भ के बाद विभागाध्यक्ष सीस एवं संस्तुति पर पूर्ण आख्या प्रस्तुत करेंगे।

(अ) सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार समिति

81. उत्तरांचल सरकार ने एक उच्च स्तरीय समिति (Core Group on IT) का गठन मुख्य सचिव की अध्यक्षता में किया है। इस समिति के सदस्य औद्योगिक विकास आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास आयुक्त, प्रमुख सचिव (कार्मिक), सचिव (वित्त), सचिव (नियोजन) तथा सचिव (सूचना प्रौद्योगिकी) सदस्य सचिव सेयोजक होंगे।
82. सूचना प्रौद्योगिकी विकास एजेंसी (आई0ई0टी0डी0ए0) सूचना प्रौद्योगिकी के समस्त नवीन-प्रयासों हेतु नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगी।

for / m
24/10



संलग्नक 'अ'

सूचना प्रौद्योगिकी (जैसा की नवीन औद्योगिक नीति 2003 में इंगित है):

सूचना प्रौद्योगिकी सम्बन्धित सेवाओं तथा हार्डवेयर विकास हेतु राज्य प्राकृतिक रूप से प्राथमिकता वाला स्थान रहा है क्योंकि इनके उत्पादन हेतु पूर्व आवश्यकताएं प्राकृतिक रूप से उपलब्ध हैं।

- सूचना प्रौद्योगिकी एवं सम्बन्धित सेवाओं को उद्योग का दर्जा दिया गया है।
- उत्तरांचल में देहरादून में एस.टी.पी.आई. एवं अन्य स्थानों पर प्रस्तावित अर्थ स्टेशन की स्थापना के माध्यम से तीव्र गति संयोजिता उपलब्ध कराई जायेगी।
- देहरादून में एक समर्पित सूचना प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित किया जा रहा है तथा राज्य के दूसरे क्षेत्रों में भी सूचना प्रौद्योगिकी पार्क स्थापित करना प्रस्तावित है।
- भूमि-उपयोग उपयोग व भूमि रूपान्तरण प्रक्रिया व शुल्क को युक्तिसंगत किया जायेगा।
- इन सेवाओं को जनहित सुविधाओं का दर्जा दिया जायेगा तथा उचित नियंत्रण, सुविधाएं तथा अवस्थापना के साथ महिलाओं को तीन पालियों में चौबीस घंटे काम करने की छूट प्रदान की जायेगी।
- घोषित सूचना प्रौद्योगिकी पार्क इण्डस्ट्रियल स्टेट में लगने वाले जनरेटर सैट्स को विधुत कर से मुक्त रखा जायेगा।
- सूचना प्रौद्योगिकी पार्क में स्थापित की जा रही इकाईयों को स्टाम्प शुल्क में रियायत दी जायेगी।
- राज्य सरकार सभी सॉफ्टवेयर इकाईयों को 2 एमबीपीएस बैंडविड्थ एक वर्ष तक निम्न प्राविधानों के अन्तर्गत निःशुल्क उपलब्ध कराई जायेगी:-
 - (i) हार्डवेयर तथा इसके लगने की लागत को आवेदक द्वारा वहन किया जायेगा।
 - (ii) बैंडविड्थ अहस्तान्तरणीय व "नॉन-शेयरिंग" होगी।
 - (iii) उद्यमी/ इकाई बी.एस.एन.एल./वी.एस.एन.एल./एस.टी.पी.आई. अथवा किसी निजी सेवा-प्रदाता से बैंडविड्थ संयोजिता प्राप्त कर सकेगा, परन्तु बैंडविड्थ की लागत एस.टी.पी.आई./ बी.एस.एन.एल. द्वारा निर्धारित दर के अनुसार होगी।



(iv) संयोजकता उपलब्ध कराने हेतु निम्न उपलब्ध होंगे:-

(क) श्रेणी- 1

कॉल सेन्टर्स

25 सीटर

-

512 के.बी.पी.एस.

50 सीटर

-

1 एम.बी.पी.एस.

100 सीटर

-

2 एम.बी.पी.एस.

(ख) श्रेणी- 2

ऑफ-लाईन बी.पी.ओ.

उपरोक्त का एक चौथाई

एवं ऐसे अन्य संस्थापन:

(ग) श्रेणी- 3

ऑन-लाईन बी.पी.ओ.

उपरोक्त का आधा

एवं ऐसे अन्य संस्थापन:

(घ) श्रेणी- 4

उपरोक्त कार्यकलापों का मिश्रण:

प्रथम श्रेणी में वर्णित अधिकतम सीमा तक

(v) साईबर कैंफे/ जगता के मनोरंजन हेतु संस्थानों के लिए उपरोक्त छूट लागू नहीं होगी।

(vi) इस छूट हेतु प्रारम्भिक तिथि, संयोजिता के प्रथम दिन से मानी जायेगी तथा यह सुविधा दुकड़ों में उपलब्ध नहीं अपितु एक वर्ष तक लगातान लेनी होगी।

67

ML 4/11